

# राष्ट्रदूत

हिंडौन सिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com



फोन:- 230200, 230400 फैक्स:- 07469-230600

वर्ष: 16 संख्या: 317

प्रभात

हिंडौन सिटी, शुक्रवार 20 सितम्बर, 2024

पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18

पृष्ठ 6

मूल्य 2.50 रु.

## 2019 के विधानसभा चुनाव में, हरियाणा में आप को नोटा से भी कम वोट मिले थे

तो फिर अब, विधानसभा चुनाव में “आप” हरियाणा की सभी सीटों पर उम्मीदवार क्यों खड़े कर रही हैं?

C M Y K

-श्रीनंद झा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूरो-

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। क्या यह मात्र संयोग ही है? एक अप नेता अरविंद केजरीवाल को उनकी पार्टी के हरियाणा की सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा के तीक एक दिन बाद ही जमानत मिल गई?

वर्ष 2019 के चुनावों में भी आप ने 46 सीटों पर प्रत्याशी खड़े किए थे, पर, पार्टी का प्रदर्शन बहुत ही बुरा रहा। आप प्रत्याशियों को नोटा से भी कम वोट मिले। चुनाव आयोग के अनुबाल उस चुनाव में आप को 0.53 प्रतिशत वोट मिले थे, जो नोटा को 0.53 प्रतिशत बोट मिले थे।

इस वर्ष के लोकसभा चुनाव में आप ने कुरुक्षेत्र सीट से चुनाव लड़ा पर हार गए, इसलिए आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल द्वारा अप्रत्याशित रूप से

- भाजपा की भाँति आप भी “अरबन सैन्ट्रिक” (शहर उच्च) पार्टी हैं। अतः आप पार्टी के उम्मीदवार, शहरी इलाकों में कांग्रेस को पैर पसारने का मौका नहीं देंगे।
- वैसे भी जनता में यह ही छवि है कि आप भाजपा की “बी” टीम हैं। इस “ज्योरी” (सोच) को इस बात से भी बल मिलता है कि क्या यह केवल एक संयोग है कि जिस दिन केजरीवाल ने घोषणा की कि उनकी पार्टी हरियाणा में सभी विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार खड़े करेगी, उसके अगले दिन ही उनको जमानत मिल गयी और वे जेल से रिहा कर दिये गये।

हरियाणा पर जरूरत से ज्यादा जोर देने उनमें प्रमुख है डబवाली, रानिया, पर सबल उठ रहे हैं। शुक्रवार को केजरीवाल जगधारी में अपनी पहली बलभगदा। आप सत्रों ने कहा कि सारजनिक सभा करेंगे। फिर आले कुछ दिनों में वे 11 जिलों में 13 सभाएं करेंगे। जिन जगहों पर उनकी सभा होगी

इसके अलावा गुड़गांव व पंजाब से

सेवागों में भी आप का प्रभाव है, इस प्रकार आप हरियाणा में तो नैन ल्लैयर ही है, इसलिए छवि है कि क्या आप से भाजपा का बोट कटेंगे जो कांग्रेस क? भाजपा को तह आप भी शारीर पार्टी है। एक सोच यह है कि आप की मौजूदी शहरी क्षेत्र में कांग्रेस का प्रसार रोक देगी। हरियाणा में केजरीवाल के भागों से यह भी पता चलता है कि अगले वर्ष दिल्ली चुनाव के लिए आप और कांग्रेस के गठबंधकी की संभावनाएं नकारात्मक हैं।

केजरीवाल व मनीष सिसोदियाव संजय सिंह सहित 28 अप्रैल नेता जेल भेजे गए। इसके बाद भी आप यह धारणा नहीं हटा पा रही है कि यह भाजपा की बी टीम है इसलिए इस बात को लेकर भारी उत्सुकता है कि आने वाले दिनों में केजरीवाल कौन सा रास्ता चुनते हैं।

- भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस अध्यक्ष मलिकाजुन खड़ेगे के पत्र के जवाब में कहा कि राहुल गांधी फेल्ड प्रॉडक्ट हैं, जिन्हें खड़ेगे प्रमोट कर रहे हैं।

विकल्प मान रहे हैं। इससे चिंतित होकर मोदी और शाह ने राहुल गांधी पर हर फर पर से हमता करने का निर्णय लिया है। हाल ही में खड़ेगे ने मोदी को पत्र लिखा था, जिसमें भाजपा नेताओं द्वारा राहुल गांधी की हत्या की घटकी दिए जाने पर चिंता जारी हो गई है, इस पत्र पर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## हरियाणा में भाजपा का चुनाव घोषणा पत्र जारी

**भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड़ा ने रोहतक में चुनाव घोषणा पत्र जारी करते हुए 2 लाख युवाओं को नौकरी देने की घोषणा की**

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूरो-

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी का बढ़ी लोकप्रियता से हारा रहा भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड़ा ने उहें जनता द्वारा बाल-बाल दुरुपयोग सुन नेता गत्या कि जनता में कांग्रेस की स्वीकृति वृद्ध हो रही है, लोग इस कांग्रेस का बेहतर

- भाजपा के घोषणा पत्र में सभी महिलाओं को 2100 रुपए मासिक, कॉलेज छात्राओं को स्कूली देने तथा दस लाख रुपए तक का इलाज निशुल्क कराने का वादा किया गया है।
- नड़ा ने कहा, सत्ता में आने पर भाजपा 10 मॉडल औद्योगिक टाउनशिप बनाएंगी तथा बी.पी.एल. परिवारों के लिए 5 लाख मकान बनाएंगी।

कि कांग्रेस ने भी कहा है। हरियाणा सरकार अनिवार्यों को हरियाणा में गारंटी नौकरी देगी।

नड़ा ने घोषणा कि क्या सितम्बर के लिये आप हरियाणा के लिए अस्पतालों में निशुल्क डायलोसिस सुविधा अप्रैल के लिये आप हरियाणा के लिये अस्पतालों में निशुल्क जांच-सुविधा उपलब्ध कराना, 10 लाख रु. तक का निशुल्क इलाज सुनिश्चित करना उन्नें मासिक स्टाफ पेंड दिया जायेगा।

नड़ा ने घोषणा कि क्या सितम्बर के लिये आप हरियाणा के लिये 36 अप्रैल के लिये आप हरियाणा के लिये आप हरियाणा के लिये 24 घोषणा को जनवीकी क्षेत्रों में रोजगार योग्यता एवं अप्रैल इलाज के लिये 5 लाख मकान बनाएंगी।

जिलों के लिये आप हरियाणा के लिये 5 लाख मकान बनाएंगी।

नड़ा ने घोषणा कि क्या कांग्रेस ने घोषणा के लिये 5 लाख युवाओं को 500 रु. में एल.पी.जी.सिलैंडर मिलाते रहेंगे, जैसा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## मुंबई के पूर्व पुलिस कमिशनर संजय पांडे कांग्रेस में शामिल

मुंबई, 19 सितम्बर। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिशनर संजय पांडे, अब राजनीतिक घोषणा पांडे के लिए गोरुला को मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष का दामन थाम लिया। संजय पांडे ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि साल 2004 से ही वे कांग्रेस में समिति होना चाहते थे लेकिन सही बहत अब आया है।

संजय पांडे ने दावा किया कि इस बार प्रदेश में इंडिया गढ़बंधन की

- संजय पांडे को अवैद्य फोन टैपिंग के मामले में ई.डी. ने जुलाई 22 में गिरफ्तार किया था तथा 5 महीने बाद वे उन्हें जमानत मिली थी।

सरकार बोलती है। उन्होंने कहा कि जब महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्षी सत्ता में आएंगी तो आप अदानी को डरने की जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अब जांच-सुविधा एवं अप्रैल इलाज के लिये आप हरियाणा के लिए गोरुला को आप सीधे जाने लायेंगे। जैसे-जैसे वास्तव अपने कांग्रेस के संघर्षों में अधिक अनुभवी कर्मचारियों को आकर्षित कर सकता है, जिन्हें युवा व सतरे श्रमिक (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

## हाय राम, तिरुपति लड्डु के साथ ये क्या किया

**आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायदू ने पूर्व मुख्यमंत्री पर तिरुपति लड्डु में जानवरों की चर्बी के इस्तेमाल का आरोप लगाया**

-लक्ष्मण वैकंट कुची-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्लूरो-

नई दिल्ली, 19 सितम्बर। श्रीबालाजी मंदिर, द्वारा संचालित ‘तिरुपति तिरुपति देवव्यापानम्’ में

जिस तरह से जगन मोहन रेड़ी इसाईयत को प्रमोट करते रहे हैं उसे देखकर राज्य की हिंदू जनता चंद्रबाबू के आरोप को सही मान रही है।

जनता का आरोप है कि जगन मोहन रेड़ी ने तिरुपति मंदिर प्रशासन में भी गैर हिंदुओं को नियुक्त किया था तथा क्रांति प्रकार से तिरुपति मंदिर का दुरुपयोग किया था।

ये आरोप जगन मोहन रेड़ी का राजनीतिक करियर भी खत्म कर सकते हैं, इसलिए हत्यार प्रभ जगन मोहन रेड़ी ने इन आरोपों का जारीदार खंडन किया, पर जनता भरोसा नहीं कर रही है।

ईसाई धर्म को प्रोत्साहित करते रहे हैं उसे देखकर राज्य के लिये आप्रैल इलाज के लिये सप्रिसेट लड्डु, जिसे जी.आई.पी.नेता वाई.एस. जगन मोहन रेड़ी के राजनीतिक करियर पर पूर्ण विराम लगाने का खत्म पैदा हो गया है।

उन पर यह आरोप लगाया जा रहा है कि उन्होंने कहा कि जब महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्षी सत्ता में आएंगी तो आप अदानी को डरने की जरूरत नहीं होगी। और पूर्ण मुख्यमंत्री ने इस बात को जबरदस्त रूप से खंडन किया है। लेकिन विशेष बात यह है कि उनके खंडन के बाद, इस बात पर और ज्यादा व्यापक स्तर पर तथा सहज ही विश्वास किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के रूप में जगन मोहन रेड़ी के म

## विचार बिन्दु

झूठ की सजा यह नहीं कि उसका विश्वास नहीं किया जाता बल्कि वह किसी का विश्वास नहीं कर सकता। -शेक्सपियर

# गिरफ्तारी बनाम जमानत (Arrest Versus Bail)

**व**ह युग समाप्त हो चुका है जब 'दोते दोत' अथवा 'आंख के बदले आंख' न्याय का तरीका था। भारत ने जब अपना संविधान बनाया, उस समय देख Universal Declaration of Human Rights (UDHR) से अच्छी तरह परिचित था। देश के लोग समझते थे कि मानव अधिकारों को दो भागों में बांटा जा सकता है। प्रथम है सिविल व राजनीतिक अधिकार तथा द्वितीय है आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक अधिकार। देश के लोगों ने संकल्प लिया कि सभी को न्याय मिलेगा, सामाजिक अर्थिक और राजनीतिक। सर्वोच्च न्यायालय में निर्णय द्वारा हमारे मूल अधिकार (Fundamental Rights) हमारे संविधान के अधिन आंख हैं और इनमें ही निर्हित हैं, मानव अधिकार। अतः हम विश्वास के साथ कह सकते हैं कि मानव अधिकार हमारे मूल अधिकार हैं और वे काट में प्रतीती हैं। संविधान के चेटर III में मूल अधिकार हैं जो हमारे राजनीतिक अधिकार हैं और चेटर IV में हमारे सामाजिक व आर्थिक अधिकार हैं। सभा 1966 में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव की गिराव को ऊँचा धरताल मिला और दो संघीयों को जन्म हुआ। International Covenant on Civil and Political Rights (ICCPR), 1966 व International Covenant on Economic, Social and Cultural Rights (ICESCR), 1966 भारतीय संविधान की व्याख्या करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 14 व अनुच्छेद 21 को जिनमें समाप्त Right to Life Je Liberty को बहुत महत्वाकांक्षी ऊँचाईयों तक पहुँचाया है।

फौजदारी कानून के निम्नलिखित मायने सिद्धान्त हैं जिनको पालन करना न्याय के लिये आवश्यक है। ये मान्य सिद्धान्त हैं संविधान के अधिकारों में तथा ICCPR, 1966, Criminal Procedure Code, 1973 में देखेने को मिलते हैं:

1) जिस व्यक्ति के विरुद्ध अपराध का चार्ज है वह उस समय तक निर्देश माना जावेगा, जब तक कानून की प्रक्रिया के अनुसार कार्यवाही में वह दोषी नहीं पाया जाता। (ICCPR. Deveg UUo 14(2))

2) प्रत्येक व्यक्ति को Right to Liberty and Security of Person प्राप्त है। जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाना है उसे गिरफ्तारी के समय गिरफ्तारी के कारण व विवरण दिये जावें। उसे यह भी बताया जायेगा कि उसके विरुद्ध अपराध क्या है? उसे 24 घंटे में मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया जाना आवश्यक है। गिरफ्तारी के अनुच्छेद 9(2)(3)(4)(5))

3) फैयर व स्पीडी ट्रायल व्यक्ति का मूल अधिकार है।

4) प्रांसिकूलर नोटर का सावित करना होगा कि आरोपी दोषी है। आरोपी निर्दोष है, अतः एवं शक का लाभ उसे प्राप्त होगा।

5) कई दोस्रों में आरोपी की गिरफ्तारी के बाद जमानत का अधिकार नहीं है। आरोपी जेल में रहेगा, जब तक ट्रायल पूरी नहीं होगी। भारत में दो प्रकार के फौजदारों के हैं। जमानती व गैर जमानती (Bailable or Nonbailable) देशमें Antecedents Bail (Ojee 437 Cr.P.C.) का भी प्रावधान है। जमानत देना न देना कोर्ट के विवेक पर निर्भर रहता है। उसमें देने के बाद जमानत लौटाना जानकारी नहीं है। जमानती व गैर जमानती की अधिकारी को आम आदामी पार्टी के नेताओं दी है। PMLA की धारा 45 के होते हुए भी, जमानत में मूल सदेश की पालना में जमानत लौट है और 'BAII' - 'NO JAIL' के सिद्धान्त को धारा 45 में In Bail मानकर जमानत लौट है। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने डायकटोरेट एप्सोर्सेंट बानाम दिलीप कुमार शेष, अधिकारी वर्नी, बी स्टेपियल बाटाजी के केस में जमानत दी है। कोर्ट ने करार दिया कि गिरफ्तारी कोई गई, इसके विवरण नहीं दिये और स्वयं आरोपी को भी व्यक्तिगत रूप से गिरफ्तारी के कारण जानकारी नहीं दिलायी थी। अतः गिरफ्तारी ही अवश्य है। केजरीवाल व उत्तर साधियों, मरीना सुरियों, संजय सिंह जी की माननीय सुप्रीम कोर्ट के जमानत के बाद इस आधार पर लौट ही कि परिस्थितियों को देखते हुए केस के शीघ्र निर्णय की दूर-दूर तक कोई संभावना दिखाई नहीं देती अतः Bail दी गई।

UDHR के बाद से यो भी अन्तर्राष्ट्रीय संधियों देशों के बीच में हुई, उनका प्रावधान संधिया या मानव की विज्ञ की जीवन की रक्षा करना। अतः यह आवश्यक माना गया कि हस्ताक्षरकर्ता देश अपने अपेक्षाकारों में तर्कशील विवरण वर्ताव के बाद देश ने अपना संविधान द्वारा कानून प्रारम्भ कर दिया। अतः यह अवश्यक माना गया कि आरोपी जीवन की विज्ञ को बाहर नहीं कर सकती।

केजरीवाल व उत्तर साधियों के विरुद्ध को जमानती दी गई है। मनीष सिसोदिया व केजरीवाल तथा उनके साथियों को चुनौती दी दी गई है।

गई है। मनीष सिसोदिया व केजरीवाल तथा उनके साथियों को जमानत मिल चुकी है। दिनांक 13.09.2024 के आदेश से माननीय सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ ने केजरीवाल को सशर्त जमानत दी है।

Detention को चेक करने के हेतु अपराध प्रावधान जाना गया। गिरफ्तारी के आधार पर उसके विरुद्ध किस अपाराध का चार्ज है। ये बातें स्पष्ट रूप से बताती हैं कि गिरफ्तारी के आधार नहीं है और उसके विरुद्ध किस अपाराध का चार्ज है। ये Indian Criminal Procedure Code, 1973 में धारा 41 से धारा 60 तक इस विवरण पर प्रक्रियाओं का वर्णन है। इन्हें संविधान में स्थान देकर मूल अधिकारों का भाग बनाया जाना गया। सबसे बड़ा न्यायकर्ता संघर्च न्यायालय है। डोके बुख बातें बेस्ट बांगल के केस में (AIR 1997 SC 610) माननीय समाजीकरण की विवरण के बाद जमानत दी गई है।

केजरीवाल व उत्तर साधियों के विरुद्ध को जमानत मिल चुकी है। दिनांक 13.09.2024 के आदेश से माननीय सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ ने केजरीवाल को सशर्त जमानत दी है।

Detention को चेक करने के हेतु अपराध प्रावधान जाना गया। गिरफ्तारी के आधार का विवरण दिलीप कुमार शेष, अधिकारी वर्नी, बी स्टेपियल बाटाजी के बाद जमानत दी गई है।

दिनांक 05.09.2024 को केजरीवाल के केस में खण्डपीठ के माननीय न्यायाधीश सूर्यकान्त व न्यायाधीश उज्जवल झुइया ने जमानत पर बहस सुनी। दिनांक 13.09.2024 को आदेश सुनाया गया। माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।

माननीय दोनों न्यायाधीशोंने अपने अपेक्षाकारों द्वारा आदेश लिया है।</p

# 68 वीं जिला स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का समारोह के साथ समाप्त



हिंडॉन सिटी। शहर की राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में गत मंगलवार से आयोजित हो रही जिला स्तरीय छात्र वर्ग खेलकूद प्रतियोगिता के समाप्त समारोह के मुख्य अंतिम के रूप में उपस्थित सुधूर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी हिंडॉन कैलेज चंद्र मीण ने आयोजित समाप्त समारोह के दोरान विजेता और उपविजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार कर सम्मानित करते हुए कहा हानि वीटीम निरामा न हो और आगे होने वाली प्रतियोगिता में अच्छी मेहनत करके विजय प्राप्त करें।









